ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 10 सितम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 137

पृष्ठ 4

कल समय रहते वोट डाल आना, क्योंकि शाम साढ़े 7 बजे बाड़ेबंदी की बसें होर्न मारना शुरू कर देगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में कल नगर निगम चुनाव के लिए वोटिंग है। आज भी घर'घर प्रचार का जबर्दस्त जोर रहा। मैन टू मैन मार्किंग की गई और कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई। वे सब तरीके भी आजमाए गए जिनका जिक्र किए बिना आप खुद समझ जाएंगे कि क्या किया गया। दवा'दारू से लेकर दुआ तक और हाथ जोड़ने से लेकर जोड़ तोड़ तक की तगड़ी कवायदें की गई। उसके बाद शाम होते'होते प्रत्याशियों के पास बाड़ेबंदी का संदेश आ गया। सूत्रों के भारतीय जनता पार्टी की ओर से सभी प्रत्याशियों को संदेसा गया है कि कल वोटिंग के बाद साढ़े 7 बजे तय स्थान पर पहुंचना है और बसों में बैठ कर किसी अज्ञात स्थान के लिए प्रस्थान करना है। अन्य निर्देश भी दिए गए हैं कि साथ में क्या लेकर आना है। उन्हें कहा गया है कि ना उधर की बात सुननी है ना इधर की बात उधर करनी है। मोबाइल फोन पर भी समिति वार्तालाप की एसओपी जारी की गई है। सूत्रों के अनुसार भाजपा उदयपुर टीम की ओर से बाड़ेबंदी की तीन स्तरीय व्यवस्था की गई है। कुल 80 वार्डों को तीन भागों में बांटा गया है। सबसे संवेदनशील मानी जाने वाली सीटों के प्रत्याशियों को खुद जिलाध्यक्ष अपने खेमे में रखेंगे जबकि दूसरा खेमा विधायक तारांचद जैन का होगा। तीसरे खेमे की बागडोर रजनी डांग संभालेंगी। कहां जाना है यह सस्पेंस कल शाम को या बसों के रवाना होने के बाद खुलेगा। वैसे बताया जा रहा है कि इस चुनावी तीर्थ यात्रा के लिए उदयपुर के आस पास के कुछ धार्मिक स्थलों व सुदूरवर्ती रिसोर्ट आदि का चयन किया गया है।

दूरियां इतनी ही रखी गई हैं कि तीन दिन में जाकर वापस भी आया जा सके। और इस दौरान अज्ञातवास ऐसा रहे कि किसी से संपर्क करना भी चाहें तो भी ना हो पाएं। आपको याद दिला दें कि पिछले चुनावों में उदयपुर में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने बाड़ेबंदी की थी। परिणामों के दिन प्रत्याशी प्रकट हुए थे और उसके बाद मेयर चुनने के लिए फिर से बाड़ेबंदी में चले गए थे। इस बार भी यही हो रहा है। इस बार कांग्रेस की ओर से बाड़ेबंदी होगी या नहीं, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इसकी संभावना बहुत कम है। लेकिन अगर भाजपा में अंदरखाने भितरघात होती है तब कांग्रेस में भी सेंधमारी की संभावना को लेकर बाड़ेबंदी का पैंतरा आजमाया जा सकता है। इस बीच वोटर सवाल उठा रहे हैं कि वोट देकर तो वे प्रत्याशियों को चुन रहे हैं। प्रत्याशी वोट पाने के बाद अंतरध्यान क्यों हो रहे हैं? प्रत्याशियों को अपने वोटरों की ज्यादा चिंता है या फिर अपनी पार्टी की। वे आदेश वोटरों का मानेंगे या पार्टी का। कई वोटर तो इसी बात को लेकर वोट डालने का फैसला करनें का भी मन बना चुके हैं। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि कल वोटर समय रहते वोट डाल आएं। यदि वोट डालने नहीं गए और कोई और उनका वोट डाल गया तो आजीवन मलाल रहेगा और अगर जान बूझकर वोट देने नहीं गए तो बाद में सवाल नहीं कर सकेंगे कि बिजली, सड़क पानी की व्यवस्थाएं उचित क्यों नहीं है। समय रहते वोट डालने का यह भी फायदा रहेगा कि प्रत्याशी समय रहते अपने'अपने बाड़ों में सुरक्षित पहुंच जाएं व उसके बाद पंचवर्षीय अल्प दर्शन और दर्शन दुर्लभ वाली अवस्था को प्राप्त कर लें।

अब बाड़े के लाल, दिखाएंगे कमाल : कांग्रेस के 56 और भाजपा के 60 पार्षद सुरक्षित ठिकानों पर रवाना

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। नगर निकाय चुनाव संपन्न होते ही बांसवाड़ा में बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव परिणाम आने से पहले ही कांग्रेस और भाजपा दोनों दल अपने-अपने पार्षद उम्मीदवारों को सुरक्षित रखने की कवायद में जुट गए हैं। जोड़-तोड़ और क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच कांग्रेस ने जहां अपने 59 में से 56 उम्मीदवारों को एक बस से रवाना किया, वहीं भाजपा ने भी अपने 60 पार्षद उम्मीदवारों की बाड़ेबंदी कर दी।

कांग्रेस की मलवासा फार्म हाउस से रवानगी

कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षद और उम्मीदवार विधायक एवं जिलाध्यक्ष अर्जुनसिंह बामणिया के मलवासा स्थित फार्म हाउस पर एकत्र हुए। यहां पार्टी नेताओं ने आपसी चर्चा के साथ आगे की रणनीति पर मंथन किया। इसके बाद 56 उम्मीदवार एक निजी बस में सवार होकर सुरक्षित स्थान के लिए रवाना हुए। कांग्रेस नेता राकेश सेठिया ने बताया कि बस में कुल 56 उम्मीदवार सवार होकर रवाना हुए हैं, जबकि शेष तीन पार्षद उम्मीदवार किसी कारणवश अलग वाहनों से उनके पीछे आ रहे हैं।

चुनाव के बाद शुरू हुई इस बाड़ेबंदी को कांग्रेस की ओर से बोर्ड गठन के दौरान अपने संख्या बल को एकजुट रखने की रणनीति माना जा रहा है। पार्टी को आशंका है कि बोर्ड गठन के समय जोड़-तोड़ अथवा क्रॉस वोटिंग की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पार्षदों को एक साथ रखना राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है।

भाजपा ने भी 60 उम्मीदवारों को भेजा सुरक्षित ठिकाने पर

इधर भाजपा ने भी बाड़ेबंदी के मामले में पूरी सतर्कता बरती है। निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा के 60 पार्षद उम्मीदवारों को एक लग्जरी बस से सुरक्षित स्थान के लिए रवाना किया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी पार्टी कार्यालय पर एकत्र हुए। यहीं से सभी उम्मीदवारों को बस में बैठाकर रवाना किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यालय परिसर में काफी गहमागहमी और उत्साह नजर आया।

प्रदेश संगठन के दिग्गज रहे मौजूद

भाजपा के पार्षद उम्मीदवारों की रवानगी के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हकरू मईड़ा और महामंत्री जयपाल डाबी ने मौके पर मौजूद रहकर पूरी प्रक्रिया का संचालन किया और उम्मीदवारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थानीय संगठन के अन्य पदाधिकारी भी इस दौरान पार्टी कार्यालय पर मौजूद रहे।

महिला प्रत्याशियों के साथ पति भी रवाना

भाजपा की बाड़ेबंदी में महिला पार्षद उम्मीदवारों के साथ उनके पति भी रवाना हुए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक सभी उम्मीदवारों को एक साथ रखने का उद्देश्य उन्हें राजनीतिक दबाव और संभावित जोड़-तोड़ से दूर रखना है।

जेवर-नकदी उड़ाने वाले दो चोर गिरफ्तार, बड़गांव पुलिस ने 3 हजार किमी पीछा कर दबोचा, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़गांव थाना पुलिस ने दिन के समय मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया माल भी बरामद किया है। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र के आधार पर करीब 3 हजार किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और पुलिस उप अधीक्षक नगर पश्चिम राजेश यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी हितेश कुमार यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार पालड़ी निवासी नरेश कुमार लोहार ने रिपोर्ट दी थी कि अज्ञात बदमाश दिन के समय मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात तथा दो लाख रुपए नकद चोरी कर ले गए। रिपोर्ट पर बड़गांव थाने में प्रकरण संख्या 177/ 2026 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। आरोपियों की तलाश में टीम ने करीब 3 हजार किलोमीटर तक पीछा किया। लगातार प्रयासों के बाद दोनों संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की गई और गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद कालबेलिया उर्फ बाका (24), पिता अमरा कालबेलिया, निवासी इन्द्रा कॉलोनी कच्ची बस्ती, थाना गोवर्धनविलास और गोविन्द कालबेलिया उर्फ माया (23), पिता गोटू नाथ कालबेलिया, निवासी इन्द्रा कॉलोनी कच्ची बस्ती, थाना गोवर्धनविलास के रूप में हुई है।

कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी हितेश कुमार यादव, हैड कांस्टेबल रामप्रसाद, हैड कांस्टेबल रघुनाथ, कांस्टेबल ओमप्रकाश, कांस्टेबल रिकेश कुमार, महिला कांस्टेबल चन्दा तथा साइबर सेल के कांस्टेबल लोकेश रायकवाल शामिल रहे।

पाकिस्तान पर 19-0 की ऐतिहासिक जीत, भारत जूनियर महिला हॉकी के सेमीफाइनल में, पूजा मलिक की हैट्रिक

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह जूनियर महिला हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। भारतीय टीम ने मैच पर शुरुआत से ही ऐसा दबदबा बनाया कि पाकिस्तान को पूरे मुकाबले में एक भी गोल, पेनल्टी कॉर्नर या पेनल्टी स्ट्रोक नहीं मिला। भारत ने पहले हाफ में 10 गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में 9 गोल किए। पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार, सुप्रिया और रोशनी ऐंद ने 2-2 गोल किए।

पहले क्वार्टर में ही 5 गोल

भारत ने पहले क्वार्टर से ही पाकिस्तान पर शिकंजा कस दिया। पूजा साहू ने 7वें मिनट में भारत का खाता खोला। इसके बाद रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें तथा सुखवीर कौर और सानिका माने ने 13वें मिनट में गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल दागे। हाफ टाइम तक भारत 10-0 से आगे था।

आखिरी दो क्वार्टर में भी जारी रहा गोलों का सिलसिला

तीसरे क्वार्टर में पूर्णिमा यादव, मधु सिदार और सुप्रिया ने गोल किए। आखिरी क्वार्टर में कृष्णा शर्मा, पूजा मलिक, सुप्रिया, बिनीमा धन और रोशनी ऐंद ने गोल कर पाकिस्तान की वापसी की हर उम्मीद खत्म कर दी। पूजा मलिक ने 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। रोशनी ऐंद ने 60वें मिनट में भारत का 19वां गोल दागकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी।

भारत को 18 पेनल्टी कॉर्नर

मैच में भारत का दबदबा इस बात से भी समझा जा सकता है कि उसे 18 पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला। इसके मुकाबले पाकिस्तान को पूरे मैच में न तो कोई पेनल्टी कॉर्नर मिला और न ही पेनल्टी स्ट्रोक। क्वार्टर फाइनल से पहले भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में भी अजेय रही। भारत ने जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। चीन के खिलाफ पिछला मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा था। अब भारत सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा। सेमीफाइनल 12 सितंबर को खेला जाएगा।

संपादकीय : व्यवस्था पर सवाल

देश के तमाम छोटे-बड़े शहरों में ढांचागत विकास के साथ-साथ जर्जर और कमजोर इमारतों की समस्या भी भयावह रूप अख्तियार कर रही है। देश के अनेक शहरों में ऐसी इमारतें मौजूद हैं, जिनकी दीवारों में दरारें हैं, छतें कमजोर हो चुकी हैं और सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त भी नहीं हैं। इसके बावजूद इनमें लोग रह रहे हैं, दुकानें, कार्यालय और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन इमारतों की वजह से जब कोई बड़ा हादसा होता है, तो शासन-प्रशासन अचानक सक्रिय हो जाता है। जांच के आदेश दिए जाते हैं, कुछ कर्मियों का निलंबन होता है और मुआवजे की घोषणा की जाती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ उसी ढर्रे पर लौट आता है और इंतजार किया जाता है किसी दूसरे हादसे का। राष्ट्रीय राजधानी के सत्य निकेतन में एक छात्रावास की इमारत के ढहने से विद्यार्थियों समेत सात लोगों की मौत की घटना के बाद भी यही सब हो रहा है। दिल्ली सरकार ने एलान किया है कि पेइंग गेस्ट (पीजी) को कानूनी दायरे में लाने के लिए सुरक्षा नीति बनाई जाएगी। साथ ही शहर में अवैध निर्माणों को गिराने के आदेश जारी किए गए हैं। अहम सवाल यह है कि हादसे के बाद हरकत में आने वाले सरकारी अमले को पहले कुछ दिखाई क्यों नहीं देता है ? जर्जर एवं असुरक्षित भवनों के संभावित खतरे का पता लगाने और उनकी नियमित निगरानी करने पर ध्वन क्वें नहीं दिया जाता ! बड़े शहरों में तो किसी इमारत का नक्शा पास होने से लेकर उसके बनने तक एक लंबी विभागीय प्रक्रिया होती है। नियमानुसार संरचनात्मक स्थिरता प्रमाण- पत्र और अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र समेत कई निर्धारित मानकों की जांच के बाद किसी इमारत के इस्तेमाल की अनुमति दी जाती है। इसके बाद भी भवनों की सुरक्षा एवं मजबूती को लेकर समय-समय पर उनकी जांच करने का प्रावधान है। अगर कोई इमारत जर्जर हालत में पाई जाती है, तो उसे असुरक्षित घोषित कर खाली कराया जाता है। जाहिर है कि इन तमाम नियमों का कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। समस्या केवल भवन मालिकों की लापरवाही तक सीमित नहीं है । स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। भवनों की नियमित जांच संरचनात्मक सुरक्षा का आकलन और असुरक्षित इमारतों को समय रहते खाली कराने की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। सरकार अब पीजी सुरक्षा नीति लागू करने की तैयारी कर रही है। हालांकि राजधानी में इस तरह के प्रयास वर्ष 1993 से जारी हैं, लेकिन अभी तक ठोस नियम जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो पाए हैं। ऐसे में जरूरत सिर्फ नीतियां या कानून बनाने की नहीं हैं, बल्कि उनका प्रभावी असर दिखे, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। पीजी में रहने वालों से मोटी रकम किराए में वसूली जाती है, लेकिन उनकी सुरक्षा को हाशिए पर डाल दिया जाता है। खासकर विद्यार्थियों को इस तरह की जोखिम भरी परिस्थितियों में इसलिए रहना पड़ता है, क्योंकि शिक्षा संस्थान उन्हें अपने स्तर पर छात्रावास उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं। अगर दिल्ली विश्वविद्यालय की बात की जाए, तो इससे संबद्ध 77 में से 57 कालेजों में छात्रावास की सुविधा नहीं है। सवाल सिर्फ किसी एक शहर का नहीं है, बल्कि देश भर में उन हजारों जर्जर इमारतों का है, जिनका नियमों की परवाह किए बगैर व्यावसायिक इस्तेमाल हो रहा है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने बीते मंगलवार को स्पष्ट तौर पर कहा कि वह देश भर में भवनों की सुरक्षा जांच के मसले पर विचार करेगा ।

प्रदूषण की परवाह

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण - 2026 का परिणाम एक ओर कुछ शहरों के लिए राहत भरा है, तो दूसरी और इसने कई शहरों की चिंता बढ़ा दी है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ का पहला स्थान निश्चित ही उत्साह जगाता है, मगर इसी सूची में दिल्ली का 21वें पायदान पर होना और शीर्ष दस में हिमाचल प्रदेश के सिर्फ एक शहर का शामिल होना कई सवाल खड़े करता है। पहाड़ों को हम स्वच्छ हवा, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता का पर्याय मानते रहे हैं और यदि वहां भी प्रदूषण की दस्तक तेज हो रही है, तो समस्या विकास को लेकर हमारे दृष्टिकोण की भी है। हालांकि, बाबु गुणवत्ता में सुधार के मामले में चंडीगढ़ का उदाहरण महत्त्वपूर्ण है । वर्ष 2024 में वह 27वें स्थान पर था, 2025 में आठवें पायदान पर पहुंचा और अब सातवें स्थान पर है। जिन शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर कम हुआ है, उसके पीछे कई कारण हैं हरित क्षेत्र बढ़ाने, निर्माण स्थलों की धूल नियंत्रित करने, कचरे के वैज्ञानिक निपटान, इलेक्ट्रिक वाहनों और यातायात प्रबंधन जैसे उपायों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन-सा शहर सूची में ऊपर है, बल्कि यह भी महत्त्वपूर्ण है कि किस शहर ने सुधार की राह पर चलकर अपने नागरिकों के लिए हवा को स्वच्छ बनाया और कौन केवल कागजी आंकड़ों में ही उलझा रहा। पहाड़ी प्रदेशों में वायू प्रदूषण का बढ़ाना भी गंभीर चिंता पैदा करता है । हैरत की बात है कि हिमाचल का इकलौता शहर कांगड़ा का डमटाल ही स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की सूची में शीर्ष दस में जगह बना पाया है। यह इस बात का संकेत है कि अगर समय रहते नहीं चेते, तो पर्यटन, निर्माण, यातायात और कचरे का दबाव पहाड़ों की हवा को सांस लेने योग्य नहीं छोड़ेगा। सवाल यह भी है कि आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकारें, नगर निकाय, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं, उद्योग, वाहन या फिर आम नागरिक। इसमें दोराय नहीं कि प्रदूषण को कम करने में सभी की भागीदारी जरूरी है. लेकिन नीति निर्माताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जिम्मेदारी अधिक है। स्वच्छ हवा सभी नागरिकों का अधिकार है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

मेरे अंगने में अब तुम्हारा क्या काम है???? भीलवाड़ा में वोटिंग खत्म होते ही पार्टियों के बाड़ों में चले गए 'बाड़े के टट्टू'

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। मतदान खत्म हुआ नहीं कि लोकतंत्र का अगला अध्याय शुरू हो गया'जनता ने वोट डालकर अपना काम कर दिया और अब चुने जाने की दौड़ में शामिल लोगों की बाड़ेबंदी शुरू हो गई। भीलवाड़ा नगर निगम के 70 वार्डों में मतदान समाप्त होने के बाद भाजपा के प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाए जाने और फिर उन्हें जयपुर ले जाने की चर्चा ने चुनावी राजनीति के उस चेहरे को सामने ला दिया है, जहां जनता के फैसले से ज्यादा चिंता इस बात की दिखाई देती है कि फैसला कहीं अपने हाथ से निकल न जाए।

सूत्रों के अनुसार भाजपा के सभी 70 प्रत्याशियों को फोन कर पार्टी कार्यालय बुलाया गया। प्रत्याशी अपने-अपने वाहनों से बैग लेकर पहुंचे। महिला प्रत्याशियों के साथ उनके पति और परिवार के सदस्य भी नजर आए। देर रात तीन बसों से प्रत्याशियों को जयपुर ले जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद कई प्रत्याशियों के मोबाइल फोन बंद बताए गए। यानी वोटर ने ईवीएम या मतपत्र पर अपनी पसंद दर्ज की और उसके बाद प्रत्याशी पहुंच गए बाड़े में। इसीलिए इस नए चुनावी चलन को 'बाड़े के टट्टू' कहा जाना उचित होगा। फर्क सिर्फ इतना है कि टट्टू चुनाव नहीं लड़ते, लेकिन यहां चुनाव लड़ने वाले इंसानों को भी मतदान के बाद राजनीतिक बाड़े में सुरक्षित रखने की जरूरत महसूस होने लगी है।

जनता ने वोट दिया, अब किससे बचाया जा रहा है?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर प्रत्याशियों को मतदान के तुरंत बाद एक जगह इकट्ठा करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या लोकतंत्र में चुना गया प्रतिनिधि इतना कमजोर है कि उसे जनता के बीच रहने के बजाय पार्टी की निगरानी में रखना जरूरी हो गया? अगर यह सिर्फ आपसी बातचीत, भोजन और रणनीति बनाने की सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया है तो इसे सार्वजनिक तौर पर स्पष्ट करने में हर्ज क्या है? और अगर मकसद क्रॉस-वोटिंग, खरीद-फरोख्त या किसी दूसरे दल के संपर्क से बचाना है, तो सवाल और बड़ा हो जाता है'क्या चुनाव अब मतदाता के वोट से कम और मतदान के बाद होने वाली राजनीतिक जोड़-तोड़ से ज्यादा तय होंगे?

बताया गया कि प्रत्याशियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है और दिनभर के घटनाक्रम तथा ताजा राजनीतिक हालात पर उनसे वन-टू-वन बातचीत होगी। इसके बाद प्रत्याशियों के जयपुर रवाना होने की बात कही गई। राजनीति में रणनीति बनाना कोई नई बात नहीं है। लेकिन सवाल तब पैदा होता है जब रणनीति और बाड़ेबंदी के बीच की रेखा धुंधली होने लगे।

कांग्रेस शांत, निर्दलीय अभी खुले मैदान में

दूसरी तरफ कांग्रेस के 53 वार्डों में अधिकृत प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। मतदान के बाद कांग्रेस कार्यालय में ऐसी कोई हलचल सामने नहीं आई और प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाए जाने की जानकारी नहीं है। वहीं 154 निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं। इनमें कई ऐसे हैं जिन्होंने भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों को सीधी चुनौती दी है। फिलहाल किसी निर्दलीय प्रत्याशी द्वारा किसी राजनीतिक दल की ओर से बाड़ेबंदी के लिए बुलाए जाने की पुष्टि सामने नहीं आई है।

चुनाव जनता का या पार्टियों का?

भीलवाड़ा का यह घटनाक्रम सिर्फ एक पार्टी की रणनीति का सवाल नहीं है। यह उस बदलती राजनीतिक संस्कृति पर सवाल है जिसमें मतदान से पहले प्रत्याशी मतदाता के दरवाजे पर होता है और मतदान के बाद पार्टी के दरवाजे के भीतर। जनता पांच साल के लिए प्रतिनिधि चुनने निकलती है। लेकिन मतदान खत्म होते ही राजनीति का गणित शुरू हो जाता है'कौन किसके साथ जाएगा, किसका वोट किस तरफ पड़ेगा और बहुमत की बाजी किसके हाथ लगेगी। लोकतंत्र की विडंबना देखिए'वोट डालते समय जनता मालिक होती है, लेकिन वोट पड़ने के बाद प्रत्याशी भी जैसे अपने मालिक तलाशने लगते हैं।

निंबाहेड़ा, बड़ीसादड़ी, कपासन और आकोला में 96,814 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 10 सितंबर। जिले के चार नगरीय निकायों निंबाहेड़ा, बड़ीसादड़ी, कपासन और आकोला में नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत शुक्रवार को मतदान होगा। मतदान को लेकर अंतिम प्रशिक्षण के बाद गुरुवार को मतदान दलों को संबंधित निकायों के लिए रवाना किया गया। मतदान दल अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचकर ईवीएम और निर्वाचन सामग्री की जांच के साथ मतदान की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे।

चारों निकायों में कुल 96,814 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें निंबाहेड़ा नगर परिषद के 45 वार्डों में 58,651, कपासन के 25 वार्डों में 17,275, बड़ी सादड़ी के 25 वार्डों में 11,934 तथा आकोला के 20 वार्डों में 8954 मतदाता शामिल हैं।

ईवीएम संचालन से लेकर मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण

रवानगी से पहले मतदान कार्मिकों को अंतिम प्रशिक्षण में ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन आयोग के निर्देशों और मतदान केंद्र पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। कार्मिकों को केंद्र पर पहुंचकर सभी निर्वाचन सामग्री एवं व्यवस्थाओं का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन-पुलिस मुस्तैद

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मंजू के निर्देशन में चारों निकायों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मतदान केंद्रों पर कानून-व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। बुजुर्ग, दिव्यांग एवं विशेष श्रेणी के मतदाताओं को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मंजू ने मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने और लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। चित्तौड़गढ़ में कल मतदान खत्म होते ही भाजपा प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे। पदाधिकारियों से चर्चा के बाद कई प्रत्याशी जरूरी सामान लेकर अलग-अलग वाहनों से रवाना हो गए। इसे राजनीतिक गलियारों में मतगणना तक प्रत्याशियों को एकजुट रखने की रणनीति और संभावित बाड़ेबंदी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं बेगूं नगर पालिका में भाजपा ने 30 प्रत्याशियों और पांच निर्विरोध निर्वाचित पार्षदों को परिजनों सहित होटल पहुंचाया। यहां से सभी को लग्जरी बस से अज्ञात स्थान के लिए रवाना किए जाने की जानकारी है। भाजपा विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ के नेतृत्व में बोर्ड बनाने की रणनीति के तहत यह कवायद बताई जा रही है। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी फिलहाल शहर में ही नजर आए।

उदयपुर नगर निगम समेत मावली-कानोड़ में मतदान की पूरी तैयारी; 4.33 लाख मतदाता, 331 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में होगी बंद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 सितंबर। महीनों से चल रही चुनावी सरगर्मी अब उस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां प्रत्याशियों की मेहनत, राजनीतिक दलों के दावे और मतदाताओं की खामोशी'सबका फैसला कल ईवीएम करेगी। नगरीय निकाय चुनाव के द्वितीय चरण में शुक्रवार को उदयपुर नगर निगम के साथ मावली और कानोड़ नगरपालिका में मतदान होगा। तीनों निकायों के 120 वार्डों में 331 प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि 4 लाख 33 हजार 736 मतदाता उनके राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे। मतदान से एक दिन पहले प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया। गुरुवार को मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण हुआ और प्रशिक्षण के बाद सभी दल चुनाव सामग्री लेकर अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए। अब गुरुवार की रात बूथों पर चुनावी मशीनरी की निगरानी में गुजरेगी और शुक्रवार सुबह 7 बजे से मतदाताओं की कतारें लोकतंत्र के इस पर्व की तस्वीर बदलना शुरू करेंगी।

450 दल उदयपुर में, 44 दल मावली-कानोड़ रवाना

जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने मतदान कार्मिकों से कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना उनकी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अक्षरशः पालना और मतदान के दौरान पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उदयपुर नगर निगम के मतदान दलों को सुखाड़िया रंगमंच पर दो पारियों में प्रशिक्षण दिया गया, जबकि मावली और कानोड़ के दलों का प्रशिक्षण पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में हुआ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी कीर्ति राठौड़ के निर्देशन में सहायक प्रभारी डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा ने मतदान कार्मिकों को प्रक्रिया और दायित्वों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद नगर निगम के 40 आरक्षित दलों सहित 450 मतदान दल राजस्थान कृषि महाविद्यालय स्थित वितरण केंद्र से चुनाव सामग्री लेकर रवाना हुए। मावली और कानोड़ के 4 आरक्षित दलों सहित 44 दल भी अपने निर्धारित केंद्रों के लिए निकल गए। कानोड़ के दलों ने पं. उदय जैन महाविद्यालय तथा मावली के दलों ने पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से सामग्री प्राप्त की।

निगम में 220 प्रत्याशी, मावली-कानोड़ में भी कड़ा मुकाबला

उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में 220 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। यहां 410 मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे। निगम क्षेत्र में अकेले 4,16,143 मतदाता हैं। मावली के 20 वार्डों में 59 प्रत्याशी और कानोड़ के 20 वार्डों में 52 प्रत्याशी मैदान में हैं। दोनों नगरपालिकाओं में 20-20 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। तीनों निकायों में मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होगा।

किसके पक्ष में निकलेगी जनता की चुप्पी?

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने अपने-अपने मुद्दों के साथ मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश की। अब प्रचार, दावे और समीकरण पीछे छूट चुके हैं। शुक्रवार को मतदाता जिस मुद्दे, प्रत्याशी या दल के पक्ष में मुहर लगाएंगे, वही अगले चरण में निकायों की राजनीति की दिशा तय करेगा।

वोटर आईडी नहीं तो भी मतदान संभव

मतदाता पहचान पत्र नहीं होने पर भी वोट से वंचित नहीं होना पड़ेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने 11 वैकल्पिक पहचान दस्तावेजों को मान्यता दी है। इनमें आधार कार्ड, मनरेगा/ वीबी जी राम जी जॉब कार्ड, फोटोयुक्त बैंक या डाकघर पासबुक, आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, फोटोयुक्त सरकारी/ पीएसयू सेवा पहचान पत्र, सांसद-विधायक-एमएलसी का आधिकारिक पहचान पत्र और यूडीआईडी कार्ड शामिल हैं। मूल दस्तावेज ही मान्य होगा; फोटो कॉपी या सॉफ्ट कॉपी से मतदान नहीं किया जा सकेगा।

नजर आंकड़ों पर

उदयपुर नगर निगम: 80 वार्ड | 410 बूथ | 220 प्रत्याशी | 4,16,143 मतदाता
मावली नगरपालिका: 20 वार्ड | 20 बूथ | 59 प्रत्याशी | 8,198 मतदाता
कानोड़ नगरपालिका: 20 वार्ड | 20 बूथ | 52 प्रत्याशी | 9,395 मतदाता

CHC में इलाज पर सवाल उठाना पड़ा भारी, नर्सिंग स्टाफ से मारपीट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/ ऋषभदेव। ऋषभदेव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर पहुंचे चार युवकों ने नर्सिंग स्टाफ से मारपीट कर दी। आरोप है कि युवकों ने नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र डामोर और उनके साथी रामकृष्ण डोडा के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। घटना में पुष्पेंद्र के चेहरे पर चोट आई। अस्पताल में हुई मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे की है। जानकारी के अनुसार हाईवे पर हुए हादसे में राकेश पुत्र हीरालाल और लालूराम पुत्र जगदीश घायल हुए थे। दोनों को उपचार के लिए ऋषभदेव सीएचसी में भर्ती कराया गया था। कुछ देर बाद उनके चार साथी अस्पताल पहुंचे। नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र डामोर ने ऋषभदेव थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि चारों युवकों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए नर्सिंग स्टाफ से गाली-गलौज शुरू कर दी। समझाइश की कोशिश की गई, लेकिन विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने उनके तथा रामकृष्ण डोडा के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पुलिस के पहुंचने तक पकड़े रखा

हंगामा बढ़ने पर डॉ. जयेश कलाल थाने की ओर गए और पुलिस को सूचना दी। पुष्पेंद्र के अनुसार पुलिस के पहुंचने से पहले अस्पताल स्टाफ ने चारों युवकों को रोककर रखा था। आरोपियों ने वहां से निकलने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस के पहुंचने पर उन्हें सौंप दिया गया। घटना के बाद नर्सिंग ऑफिसर पुष्पेंद्र डामोर ने चारों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मारपीट के दौरान अस्पताल में मौजूद सीसीटीवी फुटेज भी मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है।

1500 किमी पीछा कर हत्या के आरोपी को आजमगढ़ से दबोचा, इलाज के दौरान घायल की मौत के बाद हत्या की धारा जोड़ी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सूरजपोल थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार आरोपी हरिनाथ यादव (48) को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी उदयपुर से फरार होकर लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने करीब 1500 किलोमीटर तक पीछा करते हुए तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से उसे गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी नगर पूर्व छवि शर्मा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सूरजपोल सूर्यभान सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त 2026 की रात आर्मी कैंट में साफ-सफाई का काम करने वाले हनुमान्त पिता उमाकान्त तिवारी, निवासी धर्मपुरपट्टी, आजमगढ़ से उसके साथ काम करने वाले हरिनाथ यादव का विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान हरिनाथ ने जान से मारने की नीयत से हनुमान्त के पेट पर चाकू से हमला कर दिया। घायल के पर्चा बयान पर 2 सितंबर को धारा 109(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। उपचार के दौरान 7 सितंबर को हनुमान्त की मौत हो गई, जिसके बाद प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस यानी हत्या की धारा जोड़ी गई। वारदात के बाद आरोपी उत्तर प्रदेश भाग गया और पहचान छिपाकर ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने आजमगढ़ में उसके संभावित ठिकानों, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां दबिश देकर उसे पकड़ लिया। आरोपी हरिनाथ यादव पुत्र रामराज यादव, निवासी कटोही, थाना अतरौलिया, जिला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। पुलिस टीम में थानाधिकारी सूर्यभान सिंह, सउनि राजेश पाल सिंह, शरीफ खान, शीशराम, चतर सिंह, ओमबीर सिंह, हैड कांस्टेबल गणेश लाल (1251), कांस्टेबल शिव लाल (2495), दिलीप सिंह (938) और मणिराज सिंह (297) शामिल रहे। राजेश पाल सिंह और शिव लाल का विशेष योगदान रहा।

खेत में चारा काटते समय सांप ने डसा, अस्पताल ले जाते रास्ते में मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। टीडी थाना क्षेत्र के पडुणा फला घाटा में खेत में चारा काटने के दौरान सांप के काटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार मंजु देवी पत्नी राकेश मीणा, उम्र 32 वर्ष, निवासी पडुणा फला घाटा, तहसील बारापाल, जिला उदयपुर ने रिपोर्ट दी कि उनके पति राकेश मीणा खेत में चारा काट रहे थे। इसी दौरान उन्हें सांप ने काट लिया। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही राकेश मीणा की मृत्यु हो गई। घटना 8 सितंबर शाम करीब 6:30 बजे की बताई गई है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल पुष्पेन्द्र कुमार कर रहे हैं।

रीको कलड़वास में फंदे से लटका मिला व्यक्ति, पुलिस ने दर्ज किया मर्ग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र के रीको कलड़वास इलाके में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान हीरालाल लोहार पिता इन्द्रलाल लोहार निवासी आनंद कॉम्प्लेक्स, पावर हाउस के सामने, एकलिंगपुरा, थाना सविना, जिला उदयपुर के रूप में हुई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार मृतक ने कथित तौर पर मानसिक अवसाद के चलते फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके की कार्रवाई के बाद शव को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू की। मामले की जांच सउनि विनेश कुमार कर रहे हैं।

उदयपुर पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पौने दो करोड़ का डोडा चूरा जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सायरा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 1323.740 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त किया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 98 लाख रुपये आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मुकुल शर्मा एवं वृत्ताधिकारी वृत्त गिर्वा छगन पुरोहित के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सायरा शैतान सिंह नाथावत के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

ऐसे दिया कार्रवाई को अंजाम

थानाधिकारी सायरा को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि सग्गा से काम्बा जाने वाली सड़क पर घाटे में कुछ तस्कर कट्टों से भरी गाड़ियों के साथ मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर एक सफेद टोयोटा ईटियोस कार (RJ 19 TA 2171) व एक सफेद बोलेरो पिकअप खड़ी मिली। पुलिस को देख तस्कर अंधेरे व पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाकर झाड़ियों की ओर भाग निकले।

पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली तो प्लास्टिक के 66 कट्टों में भरा 1323.740 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया।

फर्जी नंबर प्लेट व दस्तावेज भी मिले

वाहनों की तलाशी में आरोपियों के मोबाइल फोन, आधार कार्ड, फर्जी नंबर प्लेटें व अन्य संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/ 15 के तहत प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

कार्रवाई में शामिल टीम

थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत, सउनि राजेन्द्र सिंह, हैड कानि. रामदयाल 1939, कानि. नरेन्द्रसिंह 2771, रूपाराम 557, लोकेन्द्र सिंह 3109 (विशेष भूमिका), चालक कानि. गुमान सिंह 275, कानि. पुष्पराज सिंह 693, काना पुरी 1058 व चालक कानि. मुकेश।

बस में एसिड पीने से दो की तबीयत बिगड़ी, उपचार के दौरान मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र में बस में एसिड पीने से एक महिला और एक पुरुष की तबीयत बिगड़ गई। दोनों को उपचार के लिए उदयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार खमाण भील पिता भैराराम भील, उम्र 35 वर्ष, निवासी पियाणा, थाना केलवाड़ा ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के मुताबिक 5 सितंबर को वह दुदालिया लौट रहे थे। इसी दौरान पडावली गांव के पास बस में उसकी बहन अनसी बाई और खेताराम की एसिड पीने से तबीयत खराब हो गई। दोनों को उपचार के लिए उदयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान 5 सितंबर को ही दोनों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने 9 सितंबर को धारा 194 बीएनएसएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। प्रकरण सायरा थाना क्षेत्र के पडावली गांव से जुड़ा है। मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

हिरण मगरी में घर के सामने से मोटरसाइकिल चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरण मगरी थाना क्षेत्र में घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस 2023 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पुनीत तोलानी पुत्र प्रकाश तोलानी, उम्र 28 वर्ष, निवासी 67, एमपी कॉलोनी, सेक्टर-14 ने रिपोर्ट दी कि उसकी मोटरसाइकिल 6 सितंबर को जेएमबी मिष्ठान के सामने खड़ी थी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने 8 सितंबर को दोपहर 1:47 बजे मामला दर्ज किया। पुलिस अज्ञात आरोपी और चोरी गई मोटरसाइकिल की तलाश में जुटी है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल अनिल कुमार सैनी कर रहे हैं।

अम्बामाता में 1559 AD रेस्टोरेंट के बाहर से बाइक चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अम्बामाता थाना क्षेत्र में 1559 AD रेस्टोरेंट के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बबलु सिंह पिता प्रेम सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी गांव आमली, फतेहनगर, हाल 1559 AD रेस्टोरेंट ने रिपोर्ट दी कि उसकी CD Deluxe मोटरसाइकिल नंबर RJ27AS8613 को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। रिपोर्ट के अनुसार घटना 9 सितंबर को रात 12:09 बजे की है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच हेड कांस्टेबल सज्जन सिंह कर रहे हैं। पुलिस अज्ञात आरोपी और चोरी गई मोटरसाइकिल की तलाश में जुटी है।

सेलिब्रेशन मॉल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी, अज्ञात के खिलाफ केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में सेलिब्रेशन मॉल के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार सुमेर सिंह पिता मोहनलाल विश्नोई, उम्र 28 वर्ष, निवासी बलीचा बाईपास, सत्यम स्टेड, फ्लैट नंबर 702, थाना गोवर्धन विलास ने रिपोर्ट दी कि उसकी मोटरसाइकिल 22 अगस्त को सेलिब्रेशन मॉल के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात अभियुक्त मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर सुखेर थाना पुलिस ने 9 सितंबर को मामला दर्ज किया। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश के साथ चोरी गई मोटरसाइकिल का पता लगाने में जुटी है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल संपत्ति कर रही हैं।

देवास टनल प्रोजेक्ट के स्टाफ कैंप से केबल चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। देवास परियोजना के उण्डीथल क्षेत्र स्थित टनल प्रोजेक्ट के स्टाफ कैंप से कंपनी की केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस 2023 में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के देवास टनल प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट मैनेजर सत्यवीरसिंह पिता हरिप्रसाद, उम्र 41 वर्ष, निवासी राजपूत, हाल उण्डीथल, थाना गोगुंदा ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया गया कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे उण्डीथल स्थित स्टाफ कैंप में रखी कंपनी की 4 कोर, 50 स्क्वायर एमएम साइज की पॉलीकेब केबल अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को रिपोर्ट दी गई। गोगुंदा थाना पुलिस ने 9 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश और चोरी गई केबल के संबंध में जांच शुरू की है। मामले की जांच उप निरीक्षक देवीलाल कर रहे हैं।

अम्बामाता में जातिगत गाली-गलौज और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप, सात नामजद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अम्बामाता थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने के बाद कथित तौर पर जातिगत गाली-गलौज और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(v) और बीएनएस की धारा 108 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार मुकेश पिता स्वर्गीय देवीलाल, जाति यादव, निवासी अमर नगर, वंशनराज गेस्ट हाउस के पीछे, थाना अम्बामाता ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि कुछ लोगों की ओर से उसके पिता शांतिलाल यादव पुत्र स्वर्गीय देवीलाल के साथ जातिगत गाली-गलौज की गई और कथित रूप से उन्हें प्रताड़ित किया गया। शिकायत के मुताबिक, 8 सितंबर की शाम शांतिलाल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रिपोर्ट में जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें खुबीलाल खटीक, हंसराज, मोहन खटीक, हरि सिंह, भगवानलाल लाला, प्रेमशंकर और तौकीर खान शामिल हैं। पुलिस ने 9 सितंबर को मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच RPS महेश कुमार गुर्जर, एससी/एसटी सेल, उदयपुर कर रहे हैं।

वाहन फाइनेंस करवा किश्तें नहीं चुकाईं, खुर्द-बुर्द करने का आरोप, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हाथीपोल थाना क्षेत्र में कोटक महिंद्रा बैंक से वाहनों पर वित्तीय सुविधा लेने के बाद किश्तों का भुगतान नहीं करने और वाहनों को खुर्द-बुर्द कर अपने आधिपत्य से अलग करने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक, मधुबन के प्रार्थी मयुर परिहार की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि वर्ष 2022 से 2025 के दौरान आरोपियों ने मधुबन स्थित बैंक कार्यालय में छल एवं कपटपूर्वक प्रार्थी को प्रवंचित व उत्प्रेरित कर वाहनों पर वित्तीय सुविधा प्राप्त की। रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय सुविधा के तहत वाहनों का निरीक्षण किया जाना था, लेकिन आरोप है कि आरोपियों ने किश्तों का भुगतान किए बिना वाहनों को खुर्द-बुर्द कर उन्हें अपने आधिपत्य से अलग कर दिया। पुलिस ने मामले में धारा 318(4), 316(2) और 61(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया है। नामजद आरोपियों में यूनिक इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, जरिये प्रोपराइटर, निवासी 5 महावीर कॉलोनी, मधुबन, अतुल कुमार यादव निवासी मकान नंबर 18-19, बड़ाबदेश्वर महादेव रोड, जीवन रिसोर्ट के पीछे तथा चैतन्य एस. यादव निवासी 123-ए, हिरण मगरी सेक्टर-14 शामिल हैं। मामले की जांच एएसआई मोहम्मद अतहर कर रहे हैं। प्रकरण 9 सितंबर को दर्ज किया गया।

बिना हेलमेट तीन सवार, सड़क पर खतरनाक स्टंट, झाड़ोल पुलिस ने दर्ज किया मामला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झाड़ोल थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर तीन लोगों के सवार होकर बिना हेलमेट लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मानव जीवन को संकट में डालने के आरोप में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार हेड कांस्टेबल किशनलाल, हाल थाना झाड़ोल, ने रिपोर्ट दी कि 9 सितंबर को वेलानिया क्षेत्र में दिनेश पिता बाबूलाल, जाति कलासुआ, उम्र 19 वर्ष, निवासी वेलानिया, थाना झाड़ोल मोटरसाइकिल पर तीन लोगों को बैठाकर बिना हेलमेट लोक मार्ग पर वाहन चला रहा था। आरोप है कि मोटरसाइकिल को लापरवाही, खतरनाक एवं उतावलेपन के तरीके से चलाते हुए स्टंट किया गया, जिससे मानव जीवन संकट में पड़ने की स्थिति बनी। पुलिस ने मामले में धारा 281, 125 एवं 194डी बीएनएस तथा धारा 194सी और 129 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मामले की जांच सउनि कमल कुमार कर रहे हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

नगर निगम के भूखंड घोटाले में विपिन कोठारी गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेजों से लीज डीड जारी कराने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम उदयपुर के भूखंडों से जुड़े कथित फर्जीवाड़े के मामले में एसओजी ने वांछित अभियुक्त विपिन कोठारी को गिरफ्तार किया है। एसओजी के अनुसार, वर्ष 2004 में नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी) उदयपुर से नगर निगम को हस्तांतरित भूखंडों में खाली एवं निरस्त भूखंडों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनके आधार पर नगर निगम से लीज डीड जारी करवाने का मामला सामने आया था। मामले में पुलिस थाना सूरजपोल में प्रकरण संख्या 97/ 2022 दर्ज किया गया था। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत अनुसंधान किया गया। एसओजी के मुताबिक अनुसंधान में सामने आया कि अभियुक्त विपिन कोठारी ने सहआरोपी विक्रम कुमार ताकड़िया, नितेश कोठारी, हेमलता कांकरिया, राकेश सोलंकी उर्फ बुक्का, निर्मल टेलर उर्फ गोपाल, भागीरथ गायरी, दीपक कुमावत, दीपक सिंह चौहान और राजदीप सिंह के साथ मिलकर कई भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। आरोप है कि कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम उदयपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कथित मिलीभगत कर भूखंडों की लीज डीड जारी करवाई गई। एसओजी के अनुसार, इन भूखंडों के संबंध में स्वयं के नाम मुख्तियारनामा आम का निष्पादन करवाने के बाद उन्हें आगे विक्रय भी किया गया।

एसओजी यूनिट उदयपुर की कार्रवाई

उप महानिरीक्षक पुलिस एसओजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन एवं निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक एसओजी कुन्दन कंवरिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी यूनिट उदयपुर मुकेश कुमार सोनी की टीम ने प्रकरण में वांछित विपिन कोठारी की लगातार तलाश के बाद उसे दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से 15 सितंबर 2026 तक पुलिस रिमांड प्राप्त हुआ है। एसओजी द्वारा उससे पूछताछ कर मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने, लीज डीड जारी करवाने और भूखंडों के लेन-देन से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। एसओजी के मुताबिक, इस प्रकरण में विपिन कोठारी सहित अब तक कुल 9 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। मामले में अन्य संभावित संलिप्त आरोपियों और भूखंडों से जुड़े पूरे नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

नवानिया में पशुचिकित्सा प्रसार सोसायटी का 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू, 200 विशेषज्ञ व विद्यार्थी जुटे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 सितंबर। पशुधन क्षेत्र की उभरती चुनौतियों के समाधान और पशुचिकित्सा प्रसार सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पशुचिकित्सा प्रसार सोसायटी का 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार को पशुचिकित्सा महाविद्यालय, नवानिया की ओर से आरसीए सभागार में शुरू हुआ। सम्मेलन का विषय 'पशुधन क्षेत्र की उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु पशुचिकित्सा प्रसार सेवाओं का पुनर्विन्यास' है। इसमें देशभर से करीब 200 पशुचिकित्सा विशेषज्ञों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में कर्नाटक पशुचिकित्सा, पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बीदर के कुलपति डॉ. के.सी. वीरन्ना मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलगुरु डॉ. सुमंत व्यास ने की। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं आयोजन समिति अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शिव शर्मा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. टीकम गोयल ने सम्मेलन की रूपरेखा और तकनीकी सत्रों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. के.सी. वीरन्ना ने कहा कि पशुचिकित्सा प्रसार शिक्षा केवल वैज्ञानिक जानकारी पशुपालकों तक पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों, पशुचिकित्सकों, पशुपालकों और समाज के बीच प्रभावी संवाद का माध्यम है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, नवाचार और आधुनिक संचार माध्यमों के उपयोग पर जोर दिया। अध्यक्ष डॉ. सुमंत व्यास ने कहा कि पशुपालकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रसार शिक्षा को लगातार पुनर्परिभाषित और पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। उन्होंने पशुचिकित्सा प्रसार के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा विकसित करने पर जोर दिया।

डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रसार का काम पशुपालकों की उन वास्तविक समस्याओं, व्यवहार और स्थानीय परिस्थितियों को समझना है, जो सामान्यतः दिखाई नहीं देतीं। उन्होंने पशुचिकित्सकों में अवलोकन, संवाद और प्रस्तुतीकरण कौशल विकसित करने की आवश्यकता बताई। सोसायटी अध्यक्ष डॉ. एन.के. सुदीप कुमार ने संस्था की गतिविधियों व उपलब्धियों की जानकारी दी, जबकि महासचिव डॉ. के. नाचीमुत्तु ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सम्मेलन के संकलन और सोसायटी के नए प्रतीकचिह्न का विमोचन भी किया गया। पहले दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने अपने शोध निष्कर्ष एवं अनुभव साझा किए।

जमीनी विवाद में दिनदहाड़े अपहरण की वारदात का सुखेर पुलिस ने किया खुलासा, चार महिलाओं समेत 6 गिरफ्तार; ईको कार जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुबह बेटी को स्कूल छोड़ने निकला कमलेश रास्ते में अचानक घिर गया। आरोप है कि पहले उसकी स्कूटी को कार से टक्कर मारी गई और फिर उसे जबरन कार में बैठाकर ले जाया गया। मामला जमीनी विवाद से जुड़ा था और अपहरण की सूचना मिलते ही सुखेर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने संभावित ठिकानों की तलाश करते हुए आरोपियों का पीछा किया और करीब छह घंटे के भीतर देलवाड़ा क्षेत्र के गुडली और खमनोर के जंगलों से कमलेश को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मारुति ईको कार जब्त करते हुए चार महिलाओं समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले की रिपोर्ट ललिता पत्नी कमलेश, निवासी बेदला, उदयपुर ने सुखेर थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार सुबह करीब 8 बजे कमलेश अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने गया था। इसी दौरान मंजु डांगी, कंकु डांगी, भगवती लाल डांगी, शिवम डांगी और प्रकाश डांगी ने कार से उसकी स्कूटी को टक्कर मारी और कमलेश को जबरन कार में डालकर ले गए। रिपोर्ट में पूर्व में जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी कही गई। पुलिस के अनुसार पूरा विवाद जमीन से जुड़ा था।

पुलिस ने दबाव बनाया तो जंगल में छोड़ा नहीं, छुड़ा लिया

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर तत्काल दो विशेष टीमें गठित की गईं। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा के सुपरविजन में तथा पुलिस उप अधीक्षक वृत्त नगर पश्चिम राजेश यादव के नेतृत्व में शुरू हुई। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मनोवैज्ञानिक तरीके से जांच करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। पीछा करते हुए टीम देलवाड़ा क्षेत्र के गुडली और खमनोर के जंगलों तक पहुंची। पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच आरोपी कमलेश से कथित रूप से जमीन की जबरन रजिस्ट्री कराने की अपनी योजना को अंजाम नहीं दे सके। पुलिस ने जंगल में दबिश देकर कमलेश को सकुशल बरामद कर लिया।

छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में मंजु पत्नी भगवती लाल डांगी (27), शिवम पुत्र कमल डांगी (25), कंकु बाई पत्नी कमल डांगी (50), तीनों निवासी गुडली, देलवाड़ा, राजसमंद; निर्मला पत्नी सुखलाल मीणा (21), निवासी रायता, नाई, उदयपुर; जया पत्नी धन्ना मीणा (22), निवासी गामड़ा पाल, सलूंबर और प्रकाश पुत्र कमलचंद (21), निवासी गुडली, देलवाड़ा, राजसमंद शामिल हैं।

दो टीमों ने संभाला ऑपरेशन

सुखेर थाना पुलिस की टीम में सीओ पश्चिम राजेश यादव, थानाधिकारी अमर सिंह, उप निरीक्षक भोपाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक हरीश चन्द्र सनाढ्य, हैड कांस्टेबल श्रवण (1561), कांस्टेबल अचला राम (550), कांस्टेबल शिम्भु राम (708), महिला कांस्टेबल मुनेश, कांस्टेबल चालक बसन्त (1586) और साइबर सेल के हैड कांस्टेबल कुलदीप सिंह शामिल रहे। डीएसटी टीम में प्रभारी भरत योगी, सहायक उप निरीक्षक विक्रम सिंह, हैड कांस्टेबल डितेन्द्र सिंह, कांस्टेबल शक्ति सिंह और कांस्टेबल सुमेर शामिल रहे।

सलूंबर नगर परिषद के 25 वार्डों में आज मतदान, 62 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। नगर परिषद चुनाव के तहत शुक्रवार को सलूंबर के 25 वार्डों में मतदान होगा। चुनाव मैदान में 62 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होने वाले मतदान को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान के साथ ही सभी प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला मतदाता करेंगे। मतदान से एक दिन पहले गुरुवार को राजकीय सार्वजनिक पुस्तकालय मैदान में मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के बाद सभी मतदान दलों को आवश्यक चुनाव सामग्री उपलब्ध करवाकर निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर मुहम्मद जुनेद पीपी और चुनाव पर्यवेक्षक अशोक कुमार ने प्रशिक्षण एवं मतदान दलों की रवानगी प्रक्रिया का जायजा लिया। अधिकारियों ने मतदान कार्मिकों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूरी पालना करने, निष्पक्षता बनाए रखने और मतदान प्रक्रिया के दौरान पूरी सजगता के साथ काम करने के निर्देश दिए। मतदान केंद्रों पर पहुंचने के बाद व्यवस्थाओं का जायजा लेने और किसी भी तरह की समस्या होने पर संबंधित अधिकारी को तत्काल सूचना देने के लिए भी कहा गया। 25 बूथों पर 112 कार्मिकों की ड्यूटी सलूंबर नगर परिषद के 25 वार्डों के लिए 25 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान कराने के लिए कुल 112 कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए 5 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 1 एरिया मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 3 रिजर्व टीमें भी तैयार रखी गई हैं। क्रिटिकल बूथों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम मतदान को शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। क्रिटिकल बूथों पर दो-दो पुलिस कांस्टेबल सहित सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने मतदान दलों और सुरक्षा कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान की अपील जिला प्रशासन ने सलूंबर के मतदाताओं से अपील की है कि वे बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। प्रशासन की ओर से मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अंतिम प्रशिक्षण के दौरान बिगड़ी कार्मिक की तबीयत एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, हालत पर रखी गई नजर सलूंबर। मतदान दलों के अंतिम प्रशिक्षण के दौरान एक मतदान कार्मिक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिक की तबीयत खराब होने पर मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तत्काल उसे संभाला और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। घटना के बाद अधिकारियों ने कार्मिक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की।

चुनाव व्यवस्था एक नजर में
कुल वार्ड: 25
कुल प्रत्याशी: 62
मतदान केंद्र: 25
मतदान कार्मिक: 112
सेक्टर मजिस्ट्रेट: 5
एरिया मजिस्ट्रेट: 1
रिजर्व टीमें: 3
मतदान समय: सुबह 7 से शाम 6 बजे तक

मतदान और मतगणना कक्ष में पत्रकार भी नहीं ले जा सकेंगे कैमरा व मोबाइल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 सितम्बर। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों के आम चुनाव के दौरान पत्रकारों एवं मीडियाकर्मियों के मतदान केन्द्रों तथा मतगणना केन्द्रों पर प्रवेश और कवरेज के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग के निर्देशानुसार अधिकृत पत्रकार को मतदान बूथ के अंदर जाने की अनुमति होगी, लेकिन वहां किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी अथवा वीडियोग्राफी नहीं की जा सकेगी। निर्देशों की अवहेलना होने पर संबंधित मीडियाकर्मी को मतदान केन्द्र अथवा भवन से बाहर जाने के लिए कहा जा सकेगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतदान कक्ष में अधिकृत पत्रकारों को फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी अथवा मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं होगी। मतगणना के संबंध में नगरीय निकायों की मतगणना के लिए बनाए गए मतगणना केन्द्र पर पत्रकारों के लिए पृथक कक्ष आरक्षित करने तथा उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। यदि कोई अधिकृत पत्रकार मतगणना कक्ष में जाकर मतगणना प्रक्रिया का अवलोकन करना चाहता है तो उसे कैमरा अथवा मोबाइल फोन के बिना प्रवेश दिया जा सकेगा। इस दौरान एक जिम्मेदार अधिकारी उसके साथ रहेगा, ताकि मतों की गोपनीयता एवं मतगणना प्रक्रिया प्रभावित न हो। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को इन दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने तथा अधिकृत पत्रकारों को प्रवेश-पत्र जारी करते समय निर्धारित शर्तों का स्पष्ट उल्लेख करने के निर्देश दिए हैं।

उदयपुर से जयपुर पहुंची इंडिगो फ्लाइट रनवे छूकर फिर हवा में उठी, 20 मिनट बाद सुरक्षित लैंडिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर से जयपुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट गुरुवार दोपहर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान अचानक दोबारा हवा में उठ गई। विमान रनवे को टच कर चुका था, लेकिन पायलट ने लैंडिंग को आगे बढ़ाने के बजाय गो-अराउंड का फैसला लिया। इसके बाद विमान ने करीब 20 मिनट तक अतिरिक्त चक्कर लगाया और दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर सुरक्षित लैंडिंग की। मामला इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-7516 से जुड़ा है। यह विमान उदयपुर से जयपुर के लिए संचालित होता है। गुरुवार को विमान ने जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए करीब 12:42 बजे अप्रोच किया। लैंडिंग के दौरान विमान के पहिए रनवे को छू चुके थे, तभी पायलट ने विमान को फिर से टेकऑफ करा दिया।

रनवे टचडाउन के बाद लिया गो-अराउंड का फैसला

विमान के दोबारा हवा में उठने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट की संबंधित टीमें अलर्ट रहीं। विमान ने करीब 20 मिनट तक अतिरिक्त राउंड पूरा किया। इसके बाद पायलट ने दोबारा लैंडिंग के लिए अप्रोच किया और दोपहर 1:02 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो गई। फ्लाइट में उस समय 39 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। गो-अराउंड के दौरान कुछ समय के लिए यात्रियों में चिंता की स्थिति बनी, लेकिन दूसरी कोशिश में विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

क्या थी विमान को दोबारा उड़ाने की वजह?

विमान के पहले लैंडिंग प्रयास के दौरान पायलट ने किस सटीक कारण से गो-अराउंड किया, इसकी आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। शुरुआती तौर पर अनस्टेबल अप्रोच या किसी अन्य ऑपरेशनल वजह की संभावना बताई जा रही है। एविएशन में गो-अराउंड एक निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया है। लैंडिंग के समय यदि पायलट को लगता है कि मौजूदा परिस्थितियों में सुरक्षित लैंडिंग मानकों के अनुरूप नहीं हो पाएगी, तो विमान को दोबारा हवा में ले जाकर परिस्थितियां अनुकूल होने पर फिर से लैंडिंग कराई जाती है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।